पाठ – यह सबसे कठिन समय नहीं है

शब्दार्थ –

1. कठिन - मुश्किल
2. तिनका - लकड़ी का छोटा टुकड़ा
3. झरती - गिरना
4. थामने - पकड़ना
5. रेलगाड़ी - ट्रेन
6. गंतव्य - जिस स्थान पर पहुंचना होता है
7. प्रतीक्षा - इंतजार
8. वक्त - समय
9. कथा - कहानी
10. आखिरी - अंतिम
11. हिस्सा - भाग
12. सदियों - पुराने समय से
13. तमाम - बहुत सारे
14. अंतरिक्ष - ब्रह्मांड
15. खबर - समाचार

व्याख्या

पाठ –

egyanarchive

यह सबसे कठिन समय नहीं
नहीं, यह सबसे कठिन समय नहीं!
अभी भी दबा है चिड़ियाँ की
चोंच में तिनका
और वह उड़ने की तैयारी में है!
अभी भी झरती हुई पत्ती
थामने को बैठा है हाथ एक
अभी भी भीड़ है स्टेशन पर
अभी भी एक रेलगाड़ी जाती है
गंतव्य तक
जहाँ कोई कर रहा होगा प्रतीक्षा

प्रसंग – प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी हिंदी की पाठय पुस्तक "वसंत-3" में संकलित "जया जादवानी" द्वारा लिखित कविता "यह सबसे कठिन समय नहीं" से ली गई हैं। इन पंक्तियों में कवयित्री अपना आशावादी दृष्टिकोण प्रस्तुत कर रही हैं।
व्याख्या – जया जी के अनुसार चाहे आज चारों ओर अविश्वास फैला है किन्तु अभी भी उनके मन में आशा की एक किरण बची है वह कहती हैं कि यह सबसे बुरा समय नहीं है। अभी चिड़िया अपना घोंसला बनाने के लिए तिनका बटोर रही है। अभी भी पेड़ से टूटकर गिरने वाली पत्ती को थामने वाला एक हाथ बचा हुआ है। अभी भी स्टेशन पर इंतजार करने वाले यात्रियों को अपने सही स्थान पर पहुंचाने के लिए एक ट्रेन आती है।

अतिरिक्त व्याख्या – जया जादवानी जी एक आशावादी लेखिका है और आशावादी दृष्टिकोण रखती है। अपने जीवन में उनका यह कहना है की अभी सब कुछ सरल तरीके से हो रहा है अर्थात् अभी कठिन समय नहीं आया है। लेखिका कहती है की अभी भी चिडिया अपना घोसला बनाने के लिए प्रयास रथ है और वह उड़ने की तैयारी में है। अपने क्रियाकलाप करने के लिए, अपने घोसला बनाने की तैयारी में जुटी हुई है और उड़ने के लिए भी तैयार है अर्थात् सब काम सहज और सरल तरीके से हो रहा है तो यह नहीं कहा जा सकता की कठिन समय आ गया है।
अभी भी लोग दूसरों की मदद करने के लिए तैयार रहते है अर्थात् गिरते हुए पत्तों को भी थामने के लिए कोई बैठा है। अभी भी लोग स्टेशन पर आते जाते रहते हैं, अभी भी एक रेलगाड़ी जाती है। रेलगाड़ी अभी भी यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक उनकी मंजिल तक लेकर जाती है। जहाँ कोई उनका अभी भी प्रतिक्षा कर रहा होगा।
रेलगाड़ी उनको अपनी मंजिल तक लेकर जाती है। अर्थात् यह सभी क्रियाऐं स्वाभविक रूप से हो रही हैं तो यह नहीं कहा जा सकता की कठिन समय की शुरूआत हो गई है। गिरते हुए लोगों को थामने के लिए उनकी मदद करने के लिए व्यक्ति तैयार होता है और स्टेशन पर लोगों की भीड़ लगी हुई है। यात्री आ रहे हैं, जा रहे हैं। रेलगाड़ी उनकी मंजिल तक पहुँचा रही है और कोई उनकी प्रतिक्षा कर रहा है। यह सब स्वाभाविक और सहज तरीके से हो रहा है तो अभी नहीं कहा जा सकता की कठिन समय आ गया है।

egyanarchive

पाठ –

अभी भी कहता है कोई किसी को
जल्दी आ जाओ कि अब
सूरज डूबने का वक्त हो गया
अभी कहा जाता है
उस कथा का आखिरी हिस्सा
जो बूढ़ी नानी सुना रही सदियों से
दुनिया के तमाम बच्चों को
अभी आती है एक बस

अंतरिक्ष के पार की दुनिया से
लाएगी बचे हुए लोगों की खबर! नहीं, यह सबसे कठिन समय नहीं।
अभी आती है एक बस

प्रसंग – प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी हिंदी की पाठय पुस्तक "वसंत-3" में संकलित "जया जादवानी" द्वारा लिखित कविता "यह सबसे कठिन समय नहीं" से ली गईं हैं। इन पंक्तियों में कवयित्री कहती है कि जब तक मनुष्य अपनी सहजता नहीं त्यागता, तबतक सबसे बुरा वक्त नहीं आ सकता।

व्याख्या – कवयित्री कहती हैं कि जब तक कोई किसी का इंतजार कर रहा है और कह रहा है कि सूरज डूबने का समय हो गया है जल्दी आ जाओ। जब तक बूढी नानी-दादी की सुनाई कहानियाँ सुनाई जाती रहेंगी कि आसमान में भी एक दुनिया बसती है। तब तक सबसे बुरा समय नहीं आ सकता।

अतिरिक्त व्याख्या – अभी भी कोई किसी का इंतजार करता है, उसे पुकारता है और कहता है सूरज डूबने का समय हो गया है कि तुम लौट आओ । अभी भी बूढ़ी दादी-नानी पुरानी कहानियाँ सुनाती है, उसकी अंतिम हिस्से को बहुत ही रोचक तरीके से सुनाते है। दुनिया के बहुत सारे बच्चों को बूढ़ी-दादी नानी अभी भी पारियों की कहानी अंतरिक्ष की कहानी सुनाती है।

यहाँ पर लेखिका एक अन्य उदाहरण देती है कि जब दादी नानी बच्चों को अपनी अंतरिक्ष की कहानियाँ सुनाती रहेगीं, दूसरे ग्रहों की कहानियाँ सुनती रहेगीं, तब तक यह नहीं कहा जा सकता की अब कठिन समय की शुरूआत हो गई है। यह सबसे कठिन समय नहीं है क्योंकि सभी क्रियाकलाप सहज और सरल तरीके से हो रहें है । सभी अपना-अपना कार्य कर रहें हैं। तो यह नहीं कहा जा सकता की कठिन समय आ गया है।

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1- "यह कठिन समय नहीं है?" यह बताने के लिए कविता में कौन-कौन से तर्क प्रस्तुत किए गए हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- "यह कठिन समय नहीं है?" – यह बताने के लिए कवि ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं –

1. अभी भी चिड़िया चोंच में तिनका दबाए उड़ने को तैयार है क्योंकि वह नीड़ का निर्माण करना चाहती है।
2. एक हाथ झड़ती हुई पत्ती को सहारा देने के लिए बैठा है।
3. अभी भी एक रेलगाड़ी गंतव्य अर्थात् पहुँचने वाले स्थान तक जाती है।
4. नानी की कथा का अखिरी हिस्सा बाकी है।
5. अभी भी एक बस अंतरिक्ष के पार की दुनिया से बचे हुए लोगों की खबर लाएगी।
6. अभी भी कोई किसी को कहता है कि जल्दी आ जाओ, सूरज डूबने का समय हो चला है।

प्रश्न 2- चिड़िया चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में क्यों है? वह तिनकों का क्या करती होगी? लिखिए।

उत्तर- चिड़िया अपनी चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में है क्योंकि सूरज डूबने का समय हो चुका है उसके डूबने

egyanarchive

से पहले चिड़िया अपने लिए घोंसला बनाना चाहती है। वह तिनके से अपने लिए घोंसला तैयार कर उसमें अपने बच्चों के साथ रहेगी। घोंसला उसके परिवार को सुरक्षा प्रदान करता है।

प्रश्न 3- कविता में कई बार 'अभी भी' का प्रयोग करके बातें रखी गई है। अभी भी का प्रयोग करते हुए तीन वाक्य बनाइए और देखिए उसमे लगातार, निरंतर, बिना रुके चलनेवाले किसी कार्य का भाव निकल रहा है या नहीं?

उत्तर-

1. मुझे अभी भी सिरदर्द है।
2. अभी भी गाँव में बच्चे कई मील पैदल चलकर स्कूल जाते हैं।
3. हम अभी भी अंग्रेजी सीख रहे हैं।

तीनों वाक्यों में निरंतरता का भाव निकल रहा है।

प्रश्न 4- "नहीं" और "अभी भी" को एक साथ प्रयोग करके तीन वाक्य लिखिए और देखिए 'नहीं' 'अभी भी' के पीछे कौन-कौन से भाव छिपे हो सकते हैं?

उत्तर-

1. नहीं, अभी भी मेरी परीक्षा की तैयारी कम है।
2. नहीं, अभी भी इमारत का निर्माण नहीं हुआ है।
3. नहीं, अभी भी मेहमान के आने में देर हैं।
4. अभी भी, निरंतर चलने वाली प्रक्रिया का बोध कराता है तथा नहीं से कार्य के न होने का पता चलता है।

प्रश्न 5- आप जब भी घर से स्कूल जाते हैं कोई आपकी प्रतीक्षा कर रहा होता है। सूरज डूबने का समय भी आपको खेल के मैदान से घर लौट चलने की सूचना देता है कि घर में कोई आपकी प्रतीक्षा कर रहा है – प्रतीक्षा करनेवाले व्यक्ति के विषय में आप क्या सोचते हैं? अपने विचार लिखिए।

उत्तर- प्रतीक्षा करने वाले व्यक्ति हमारे प्रियजन ही हो सकते हैं। मेरे तो दिन की शुरुआत और अंत माँ के प्यार से ही होता है। सुबह में प्यार से माथा चूमकर जगाने में माँ का प्यार, नाश्ते में बनी पसंद की चीज़ों में माँ का प्यार, भले-बुरे की डाँट में माँ का प्यार, सूरज डूबने के साथ खेल के मैदान से घर लौट चलने की सूचना देता माँ का प्यार तथा जीने का सलीका सिखाता माँ का प्यार।

egyanarchive